<u>लोक सभा</u>

अतारांकित प्रश्न संख्या 2298

01 जनवरी, 2018 को उत्तर के लिए

इस्पात उत्पादों के लिए बीआईएस प्रमाणन

2298. श्री विष्णु दयाल रामः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम उच्च गुणवत्ता वाली इस्पात के उत्पादन में नई तकनीक अपनाने हेतु कदम उठाए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार का विभिन्न इस्पात उत्पादों हेतु भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) का प्रमाणन अनिवार्य करने का विचार है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

<u>उत्तर</u>

इस्पात राज्य मंत्री (श्री विष्णु देव साय)

(क): लोहा और इस्पात क्षेत्र लाइसेंस मुक्त एवं नियंत्रण मुक्त है तथा प्रौद्योगिकी के चयन का निर्धारण व्यवसायियों द्वारा प्रौद्योगिकी-आर्थिकी सोच-विचारों के आधार पर किया जाता है। तथापि, सरकार ने हाल ही में राष्ट्रीय इस्पात नीति, 2017 जारी की है, जिसमें भारतीय इस्पात उद्योग को प्रौद्योगिकी में अग्रणी बनाने, ऊर्जा के उपयोग में दक्ष बनाने और मूल्यवर्धन वाले इस्पात के उत्पादन पर बल देने के साथ उत्पादक को पर्यावरण की दृष्टि से अनुकूल और किफायती उत्पादक बनाने पर जोर दिया गया है।

(ख) और (ग): वर्तमान में सरकार द्वारा भारतीय मानक ब्यूरो की प्रमाणन स्कीम को अनिवार्य बनाया गया है जिनमें इस्पात उत्पादों की विभिन्न श्रेणियां शामिल हैं। इसके अतिरिक्त सरकार का कुछ और इस्पात उत्पादों को इस स्कीम के अंतर्गत शामिल करने का प्रस्ताव है जिस पर निर्णय मेरिट आधार पर स्टेक होल्डरों के साथ आवश्यक विस्तृत विचार-विमर्श के पश्चात् किया जाएगा।

******